राजकीय पॉलीटेक्निक कोटद्वार

शुभ सन्देश

उत्तराखण्ड राज्य

श्री हरि सिंह
निदेशक,
उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि संस्थान की वार्षिक पत्रिका **"प्रवाह"** का प्रकाशन होने जा रहा है, जिसके लिए संस्थान के छात्रगण , शिक्षक एवं संपादक मंडल बधाई के पात्र हैं।

कोटद्वार शहर पौड़ी जनपद के प्रवेश-द्वार के रूप में जाना जाता रहा है। वही यह ऐतिहासिक शहर अति प्राचीन समय से ही पर्वतीय अंचल के युवाओं के सपनों को साकार रूप देने के लिए देश के महानगरों तक पहुंचने का पहला पड़ाव रहा है। उत्तराखंड **राज्य** गठन के लिए चले शांतिपूर्ण आंदोलन में इस जनपद के आम जनमानस की भूमिका अग्रणी रही है। छात्र-**छात्राओं** को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ प्लेसमेंट में संस्था की भूमिका प्रशंसनीय रही है। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु संस्था में समय-समय पर आयोजित सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम, वाद विवाद प्रतियोगिता, पत्रिका लेखन आदि शिक्षणेत्तर गतिविधियां भी उनकी प्रतिभा को निखारने का एक सशक्त **माध्यम** होती है।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संस्था परिवार को पुनः हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

शुभ सन्देश

श्री आर0पी0गुप्ता
अपर निदेशक,
उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा,

अत्यंत हर्ष का विषय है कि **संस्थान** की वार्षिक पत्रिका **"प्रवाह"** का प्रकाशन होने जा रहा है, जिसके लिए संस्थान के छात्रगण , शिक्षक एवं संपादक मंडल बधाई के पात्र हैं।

तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में **उत्तराखंड** राज्य आज तकनीशियन, इंजीनियर आदि पेशेवर मानव संसाधन की उपलब्धता के लिए अग्रणी भूमिका में **हैं।** संस्थान द्वारा छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण तकनीकी **शिक्षा** प्रदान करने के साथ-साथ प्लेसमेंट में प्रशंसनीय भूमिका रही है। छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु **संस्था** में सांस्कृतिक एवं खेलकूद कार्यक्रम, पत्रिका लेखन आदि गतिविधियां भी उनकी प्रतिभा को निखारने का एक **सशक्त** माध्यम होती हैं।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु संस्था परिवार को पुनः हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

शुभ सन्देश

श्री देश राज,
सचिव,
उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा, परिषद्

अत्यंत हर्ष का विषय है कि **संस्थान** की वार्षिक पत्रिका **"प्रवाह"** का प्रकाशन होने जा रहा है, जिसके लिए संस्थान के छात्रगण , शिक्षक एवं संपादक मंडल बधाई के पात्र हैं।

संस्थान के छात्र-छात्राओं में तकनीकी शिक्षा के गुणवत्तापूर्ण ज्ञान के साथ ही **चारित्रिक** गुणों का समाहित होना भी अवश्यंभावी है। यह **पत्रिका** छात्र-छात्राओं में वैचारिक अभिव्यक्ति, सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक सरोकार, अनेकता में एकता जैसे सामाजिक मूल्यों के पोषण में भी सफल होगी, ऐसी मेरी कामना है।

इस अवसर पर आप सभी को मेरी एवं परिषद् परिवार की ओर से पुनः हार्दिक शुभकामनाएं हैं।

मंगल कामनाओं सहित।

अनुक्रमणिका

संस्था में कार्यरत प्रधानाचार्य, प्रवक्ता, कर्मचारीगण एवं छायाचित्र	7–8
प्रधानाचार्य जी की कलम से	***9***
MESSAGE By HOD CSE	10
संदेश द्वारा अध्यक्ष इले0 इंजी0	10
सुविचार	10
About Institute	11-15
T & P Cell	16-17
NSS	18-19
Library	20
"स्वास्थ्य सर्वोत्तम धन है, प्रथम स्वास्थ्य की रक्षा तत्पश्चात अन्य काम"	24
नशा एक बीमारी(स्वरचित कविता)	24
परिवर्तन	24
My Struggles ;you are the best	24
गुरु-दक्षिणा	25
Posters Designed By Students	26-29
Mind, Money, and Heart (Self Composed)	30
VISHWAKARMA PUJA	31
शिक्षा का महत्व	31
बढ़े चलो	31
SOCIAL MEDIA IS KILLING BOOK READING HABIT!	32
LIFE	33
WORK HARD	33
PAPER BOATS	33
TO INDIA	33
A WOMEN'S BEAUTY	34
DISCIPLINE	34
KING MIDAS AND HIS GOLDEN TOUCH	34
MIDDLE OF HAPPINESS	35

बेटी 35
जिंदगी की सांसे 35
समय बड़ा बलवान 35
सपनों में उड़ान भरो 36
पॉजिटिविटी की आदत बना ले 36
जल ही जीवन है 36
ख़ुद पर हो विश्वास अगर 37
एक कविता उत्तराखंड वासियों के नाम 37
THOUGHTS FOR A FRIEND 37
हिंदी पहेलियाँ 38
हौंसले 38
गुरुजन 38
COLLEGE LIFE 39
JOKES 39

संस्था में कार्यरत प्रधानाचार्य, प्रवक्ता एवं कर्मचारीगण

क्र0सं0	नाम	पदनाम
1.	श्री देवेन्द्र गिरि	प्रधानाचार्य
2.	श्री रमेश सिंह	अध्यक्ष कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजी0
3.	श्रीमती विनीता चौहान	अध्यक्ष इलैट्रॉनिक्स इंजी0
4.	श्रीमती नेहा पाण्डेय	व्याख्याता इलैट्रॉनिक्स इंजी0
5.	श्री आशीष गुसाई	व्याख्याता इलैट्रॉनिक्स इंजी0
6.	सुश्री दीप्ति गुप्ता	व्याख्याता अंग्रेजी
7.	श्रीमती रचना राणा	व्याख्याता कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजी0
8.	श्रीमती प्रेरणा पुरी	व्याख्याता कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजी0
9.	सुश्री कृष्णा राणा	व्याख्याता गणित
10.	श्री रणवीर सिंह	व्याख्याता कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजी0
11.	श्री अनिल कुमार पाण्डेय	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
12.	श्री हरिओम शर्मा	पुस्तकालयाध्यक्ष
13.	श्री अमर सिंह	कर्मशाला अनुदेशक
14.	श्री अवधेश सिंह	कर्मशाला अनुदेशक
15.	मौ0 युसुफ	कर्मशाला अनुदेशक
16.	सुश्री अनीता	कर्मशाला अनुदेशक
17.	श्री एहसान अली	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी
18.	श्री धीरेन्द्र	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी
19.	श्री आशीष	उपनल कर्मचारी
20.	श्री मूला सिंह	आउटसोर्स कर्मचारी
21.	श्री मनीष पोखरियाल	पी0आर0डी0
22.	श्री सतीश कुमार	आउटसोर्स कर्मचारी
23.	श्री रोहित	आउटसोर्स कर्मचारी
24.	श्रीमती गुड्डी देवी	आउटसोर्स कर्मचारी

FACULTY AND STAFF GOVT POLYTECHNIC KOTDWARA

APPLIED SCIENCE DEPARTMENT

COMPUTER SCIENCE DEPARTMENT

ELECTRONICS ENGG. DEPARTMENT

प्रधानाचार्य जी की कलम से

'' शिक्षा मानव समाज के सर्वांगीण विकास की आधारशिला है । मानव को विवेकशील एवं संस्कारवान बनाकर, शिक्षा ही निरंतर उसे प्रगति के पथ पर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है । वास्तव में किसी भी सभ्य समाज के अनुभूत सत्य की साक्षी शिक्षा ही है । हम सभी शिक्षकगण अपनी विवके शीलता, प्रगति शीलता, कर्म निष्ठता एवं शैक्षणिक कुशलता को आधार बना कर वर्तमान समय की आवश्यकतानुसार ज्ञान प्रवाह की अविरल धारा को निरेतरता के साथ प्रवाहित करने का संकल्प लें । साथ ही कुशल निर्देशन एवं सत्य परामर्श के उचित संयोजन से छात्र–वर्ग में अर्न्तनिहित छमताओं एवं अपार संभावनाओं का समुचित विकास कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग करें । हमारा दायित्व है कि वैश्वीकरण के इस युग में दृढ संकल्प शक्ति, विचारशीलता, त्याग–निष्ठा एवं कर्ममठता को आधार बनाकर संस्कारित कर्मनिष्ठ, प्रखर मेधा सम्पन्न छात्रों की ऐसी पौध तैयार करें जो ज्ञान जगत के कल्याण के साथ अपनेराष्ट्र की अमर एवं अनमोल धरोहर बन सकें ''

आज राजकीय पालीटेक्निक कोटद्वार एक संस्था ही नहीं बल्कि एक परिवार है जिसमे शैक्षणिक समुदाय, प्रबंधन, कर्मचारी, छात्र–वर्ग , अभिभावक तथा पूर्व छात्र –वर्ग सब मिलकर एक पारिवारिक भावना को पोषित करते हैं । रा0 पा0 कोटद्वार के सम्पूर्ण वातावरण मे यही भावना समाहित है जो कि साथ मिलकर कार्य करने को बढावा देती है और परिवार में शांति एवं सदभावना लाती है ।

आज हम उद्योगों के अनूरूप, वैश्विक प्रतिस्पर्धी छात्र वर्ग का निर्माण करते हैं जो मानव समाज की स्वीकृति प्राप्त भारतीय नागरिक बनते है ।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि रा0 पा0 कोटद्वार का समस्त छात्र–वर्ग पत्रिका 'प्रवाह' के जानकारीपूर्ण एवं शिक्षाप्रद विषयों से लाभान्वित होगा । मैं उन सभी लेखकों को बधाई देना चाहता हूँ जिन्होंने अपनी मौलिक रचनाओं के द्वारा पत्रिका को सजाया है । मैं चाहूंगा कि आप सभी भविष्य में भी अपने लेखन कार्य से पाठकों को अभिभूत करते रहें ।

मै संपादकीय समिति तथा समस्त स्टाफ को भी हार्दिक बधाई देना चाहता हूँ जिनके अथक प्रयासों के द्वारा पत्रिका का मुद्रण संभव हो पाया तथा संस्था को गौरव प्राप्त हुआ । समस्त संस्था परिवार चाहता है कि हमारा छात्र–वर्ग अधिक ईमानदार, जिम्मेदार और अपने कार्य के प्रति समर्पित बने । मैं उन्हें भविष्य में सफलता हेतु अनन्त शुभकामनाएं देता हूँ ।
सस्नेह धन्यवाद ।

देवेन्द्र गिरि
प्रधानाचार्य
राजकीय पालीटैक्निक कोटद्वार

MESSAGE

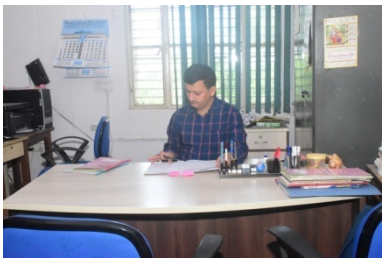

"We have to achieve goals of education to explore our talent and wisdom." ~ said by Swami Vivekanand. Education is not just meant to empower us in terms of knowledge and skills, it gives us much more. At Government Polytechnic Kotdwara, we believe that becoming a bookworm is not education; it is more important to put into practice at least a fraction of what you have learnt. Being technically educated we can change the world and make our lives better in all respect.

Ramesh singh
Head, CSE
G. P. Kotdwar

संदेश

समस्त संस्था परिवार के सदस्यों को संस्था की पत्रिका प्रकाशन की बधाइयां।

मैं चाहती हूं कि हमारी संस्था में प्रायोगिक कार्य को इस स्तर तक बढ़ाया जाए की प्रत्येक छात्र अपने आप में इतना सक्षम व कुशल हो जाए कि, वह व्यक्ति इलेक्ट्रॉनिक्स या कंप्यूटर से संबंधित नया उद्यम लगाने में सक्षम हो सके। प्रत्येक छात्र का व्यक्तित्व इतना विकसित किया जाए कि वह अपने दम पर नया उद्यम लगाने का साहस कर सके एवं संस्था का नाम रोशन करें।

विनीता चौहान
अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
राजकीय पॉलिटेक्निक कोटद्वार

सुविचार

जितना कठिन संघर्ष होता है जीत उतनी ही शानदार होती है। आत्म – ज्ञान के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ता है।

रणवीर सिंह
व्याख्याता कम्प्यूटर सांइस एण्ड इंजी0

GOVT. POLYTECHNIC KOTDWARA

OUR MISSION

- To produce quality manpower equipped with human and social values.
- To provide best facilities, infrastructure and appropriate environment to the students, staff and faculty members for high quality education and overall development through various FDPs and workshops for students.
- Integrating excellent technical skills, leadership, creativity and innovation for the benefit of mankind.
- Promote quality research and education across all disciplines in the respective emerging areas for the sustainable development of nation, state and society.

OUR VISION

- To motivate students to achieve excellence in technical education and produce globally competent professionals by building the strong teaching-learning, research environment and providing each of them with various job opportunities, along with developing good behavioral and moral values.

ABOUT US

Kotdwara is a town and tehsil in the Pauri Garhwal district of Indian state of Uttarakhand. It is situated in the south-western part of state and is one of the main entrance points in Uttarakhand. Government Polytechnic Kotdwara was established in 2005. Government Polytechnic Kotdwara is recognized by the UBTER and approved by AICTE. Government Polytechnic Kotdwara offers quality education to the students from North India. Its Distance in 10 Km from Kotdwara and 110 km. from district Head Quarter (Pauri). The distance from Capital of Uttarakhand is 149 km.

COURSES OFFERED

Name of Course	No. of Seats	Duration of Course
1.Diploma in Computer Science & Engineering	40+ 02 TFW = 42	3 Years/6 Semesters
2. Diploma in Electronics Engineering	40+ 02 TFW = 42	3 Years/6 Semesters

APPLIED SCIENCE DEPARTMENT

CSE & ELEX 1ST YEAR STUDENTS

APPLIED SCIENCE LABORATORIES:

- Applied Physics Lab
- Applied Chemistry Lab
- Communication Lab

APPLIED PHYSICS LAB:

The Physics Lab is fully equipped with modern equipments as per AICTE and UBTER curriculum.

APPLIED CHEMISTRY LAB:

The Chemistry Lab is well equipped with equipments as per AICTE and UBTER curriculum.

COMMUNICATION LABS:

As per AICTE and UBTER curriculum the communication lab is equipped with 20 PCs with networking, installed with language lab software, K-YAN which helps students to develop their interpersonal & enhance communication skills.

WORKSHOPS

Diploma technician is expected to know basic workshop practice like, welding, forging, fitting, machine and wood working processes and also control various types of machinery and equipment's.

The various workshops well equipped with latest equipments and modern machines are given below:

1. Fitting & Plumbing Shop
2. Welding Shop
3. Sheet Metal Shop
4. Carpentry Shop
5. Painting Shop
6. Electrical Shop
7. Electronics Workshop

COMPUTER SCIENCE AND ENGINEERING DEPARTMENT

CSE II YEAR

CSE III YEAR STUDENTS

COMPUTER SCIENCE AND ENGINEERING LABs

DBMS LAB

The Lab is dedicated for Database related practicals. High configuration computer systems installed with softwares like Oracle Server, MySQL, SQL Server, Management studio, SQL Workbench are used by the students to execute their Database related projects and assignments.

COMPUTER NETWORK LAB

Equipped with latest networking related devices, the lab facilitates students to perform Computer Network practical.

PROGRAMMING LAB

Departmental Computer Labs consist of various Software. The lab is installed with all important editors like NetBeans IDE, Dev C++, Turbo C++ which provides students with an environment where the they can learn to execute C, C++, Java, Web programming exercises.

PROJECTS LAB

The lab is dedicated for the students to develop their Minor and Major projects. All project related software are installed in this lab to fulfill the requirements of development.

ELECTRONICS ENGINEERING DEPARTMENT

ELEXE II YEAR STUDENTS

ELEX III YEAR STUDENTS

ELECTRONICS ENGINEERING LABs

The Department has the following labs:-

1. Analog Electronics Lab.
2. Digital Electronics Lab.
3. Communication Lab.
4. Power/Consumer Lab.
5. Fiber Optics Lab.
7. Microprocessor Lab.
8. Project Lab.
9. Electronics Work Shop.
10. NFTL Lab.

The Laboratories primarily aim to meet the requirements of practical work and provides the foundation for learning Electronics engg. Concepts. The laboratory has basic electronic experiments on analog, digital and mixed signal circuits.

- The Department has all the facilities and equipments for conducting various experiments/ Exercises/ Projects as per AICTE and UBTER.
- The students take part in development and fabrication of various electronics projects and other innovative and developmental activities.

TRAINING & PLACEMENT

OBJECTIVES OF T&P CELL:

- Training and Placement Cell is a section within Student Support and Guidance, which specializes in helping students to develop their skills and get the job opportunities.
- To provide ample of opportunities for placement of students.
- Tie-up arrangements with Indust ries & Corporate of repute for Campus recruitment.
- To send data of eligible students to recruiters and invite them for recruitment.
- To prepare students for campus recruitment arranging training in Aptitude tests, Group discussions, preparing for Technical and HR interviews through professional trainers.

ACTIVITIES TAKEN FOR PLACEMENT IMPROVEMENT

- Involvement of industrial experts in College activities such as seminars and workshops.
- Pre-placement training of students by arranging training courses from Professional Institutes.
- College gives more emphasis on long term relationship with the companies.
- Workshops on personality development.
- Technical session on advance topics.
- Students are given topics related to syllabus to speak, which build up confidence among the students.
- The Placement cell provides information regarding higher education, job opportunities and the requirement received from the industrial sector is generally circulated and displayed on notice board.
- E-information is communicated to students by e-mail/Whatsapp groups

JOB FAIR

The T & P Cell of college coordinate with other colleges to participate in Job Fair and encourage all students and alumni to be prepared to schedule interviews, share their resume and professional portfolio. This special event will allow our students and alumni to network with area businesses for current and future career opportunities, part-time and full-time job opportunities, and potential internship sites.

Our College also conducts pool campus drive and invite students from various Polytechnics and ITI's to participate in it.

INTERNSHIP PROGRAMS

- All students take up compulsory internship assignment of 4 weeks after 4th sem with different organizations.
- It is designed to provide exposure to working of organizations, as well as a chance to apply the learning in solving real-world business problems.
- Several organizations have made Preplacement offers to students through this route.

ORGANIZING INDUSTRIAL VISITS FOR STUDENTS

- Industry visits broaden the outlook of students with exposure to different workforces from different industries.
- Industrial Visits help students to gain hands-on experience of how industry operations are executed.

CAREER COUNSELING

- Giving Motivational Talks.
- To promote career counseling by organizing guest speakers viz. senior corporate personnel and most importantly by the immediately placed senior students.
- Create awareness among students regarding available career options and help them in identifying their career objectives and Act as a bridge between students, alumni and employers.

NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS)

- The overall objective of NSS is "Personality development of the students through community service".
- NSS volunteers undergo compulsory 'Special camping programme' in the adopted village for a period of seven days. During camps, the NSS volunteers are actively involved in the activities viz., cleaning of village surroundings, road sides, temples and ditches, tree planting, kitchen and terrace gardening, fire rescue and safety programme, agricultural conference and exhibition, soil health camp, health camp, eye camp, veterinary camp, legal aid camp, empowerment of rural youth programme, awareness procession against alcohol and tobacco, Sports and games for village children's, digital learning to the village people, orphanage and old age home visit to provide emotional support, promotion of health awareness, sanitation and human diseases through songs, street play and other community development programme which provide opportunity to understand and relation to the community, identify the needs in the community and to develop solutions, gained skills in mobilizing community participation, social and civic responsibilities, acquire leadership qualities and democratic attitude.
- NSS volunteers participated in the regular social service activities like conducting blood donation camps, health awareness camp, environmental awareness camp, tree planting, creating awareness on Clean India Campaign, campus cleaning, self employment programme, visiting and donating goods to nearby orphanage and mental ill homes.

NSS ACTIVITIES IN 2022

- Clean and Green Campus programme conducted regularly to clean the class room, in and around the campus.
- A massive Plastics free campus – Presentation on effects of plastics was given by NSS Representatives and cleaning work done by the NSS volunteers in the campus.
- International Days are celebrated like, World Water Day, World Environment Day, Women's Day, World Forest Day, Earth Day, Documentary film on 'Water saving' importance of environment were prepared by NSS volunteers and shown during this programme.
- Awareness on Road safety, Blood and organ donation, Rally on helmet wearing
- Fire safety awareness lecture and Demonstration
- Tree planting were done by NSS volunteers around boys hostel

DIFFERENT ACTIVITIES IN NSS

LIBRARY

The College Library is the soul of the institution and is equipped with latest E-Granthalay 4.0 automated version. It has an extensive collection of books, reference materials for satisfying the academic and research needs of the students and faculty. The Library consists a Reference Section, Circulation Section, Periodical Section. The library has automated all its library activities to provide effective and wide range of academic resources such as books, journals like Electronics for you magazine, online databases.

Library Resources

The library having 5862 titles including reference and text books.

Reference Collection: While most of the books that are available in the library can be issued by the students or faculty, some of the books are kept exclusively for reference purposes. The reference books can be photocopied.

Textbooks Collection: Textbooks for students are arranged in a separate area. Since only a limited number of copies are available for each individual title, students are encouraged to buy their own textbooks.

News Paper Collection: Library has subscribed 3 newspapers both in English and Hindi languages, so that the students can read as per their comfort.

Periodicals: Library has been subscribing a good number of periodicals to satisfy the academic and reference needs of both students and faculty. At present, library is subscribing to 60 periodicals.

FUNCTIONS IN COLLEGE

SEMINAR & WORKSHOPs ORGANIZED FOR STUDENTS

ANNUAL/ ZONAL/ STATE GAMES & AWARD CEREMONY

"स्वास्थ्य सर्वोत्तम धन है, प्रथम स्वास्थ्य की रक्षा तत्पश्चात अन्य काम"

स्वास्थ्य को उत्तम बनाए रखने हेतु प्रातः सुबह खाली पेट नीम, गिलोय एवं तुलसी रस का सेवन करना चाहिए । यह रस घर में भी बनाया जा सकता है और बाजार में बना बनाया भी उपलब्ध है। इस रस के रोज सेवन से विषाणु (वायरस) जनहित एवं जीवाणु (बैक्टीरिया) जनित रोगों से बचाव होता है। कोरोना, बार-बार होने वाले बुखार, गले के इन्फेक्शन, कील मुंहासे, जुकाम, खांसी, लीवर का बढ़ना, वायरल फीवर आदि नहीं होते हैं । घर का बना ताजा रस बाजार में उपलब्ध रस से बेहतर होता है।

श्रीमती विनिता चौहान,
अध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग
राजकीय पॉलिटेक्निक कोटद्वार

परिवर्तन (स्वरचित कविता)

हूँ स्तब्ध कि परिवर्तन हुआ क्या है
रोज़ की फेहरिश्त में नया क्या है।
समय की धार पर
नंगे पैर चला हूँ ,
पर सोचता हूँ फिर भी
कि सच्चा समर्पण क्या है .....
इक जोर आजमाइश की
पुर जोर कोशिश भी
बतलादो अब निस्वार्थ इस कोशिश की सजा क्या है ?
हूँ स्तब्ध कि परिवर्तन हुआ क्या है।

MS. Deepti Gupta
Lecturer, English

MY STRUGGLES; YOU ARE THE BEST
(Self Composed)

After a long time ,
Again with a pen;
starting lines with regime
controlled heart and brain.
Wants to shake my present and past
can't do
But desires are vast
Long life is not so worthy,
seeking meanings of my past.
The only thing which I get
my smiles with tears,
that's my pet
My struggles, You are the best.
Don't leave me
Whether I will continue or
take a long rest……

MS. Deepti Gupta
Lecturer, English

नशा एक बीमारी (स्वरचित कविता)

नशा है एक बीमारी
मनुष्यों की जिंदगी है बिगाड़ी
जिसे समझते हैं माता-पिता अपने बुढ़ापे का सहारा
उसने नशा कर अपना भविष्य है बिगाड़ा
जा जानते हुए कि नशा है खराब
फिर भी हो रहे उसके शिकार
हमारा देश हो रहा नशे का शिकार
फिर भी नहीं हो रहा उसका बहिष्कार
नशे से हो रहा घर में कलेश
नशा भूला रहा बड़ों की इज्जत छोटो से प्यार
मनुष्य की सोच है डॉक्टर, इंजीनियर बनना
लेकिन नशा बना रहा मनुष्य को भिखारी
प्रतिदिन किए जा रहे नशे का सेवन
फिर लगा रहे मौत को गले
नशा कुचल रहा मनुष्य की सोच
क्योंकि नशे का बसेरा है मनुष्य की सोच
नशे की सोच को नष्ट कर मनुष्य
क्योंकि नशा छीन रहा जीवन का हर एक दिन
नशे से बचना सीख मनुष्य
तभी जीवन में होगा उद्धार।

VISHAKHA
CSE FINAL YEAR

गुरु-दक्षिणा

"जिन्हें गुरु नहीं मिला उनके लिए जीवन एक संघर्ष है; जिन्हें गुरु मिल गया उनका जीवन एक खेल है और जो लोग गुरु द्वारा बताये गए मार्ग पर चलने लगते हैं, मात्र वे ही जीवन को एक उत्सव का नाम देने का साहस जुटा पाते हैं|"

एक बार की बात है कि किसी गुरुकुल में तीन शिष्यों नें अपना अध्ययन सम्पूर्ण करने पर अपने गुरु जी से यह बताने के लिए विनती की कि उन्हें गुरुदाक्षिणा में, उनसे क्या चाहिए |गुरु जी पहले तो मंद-मंद मुस्कराये और फिर बड़े स्नेहपूर्वक कहने लगे- 'मुझे तुमसे गुरुदक्षिणा में एक थैला भर के सूखी पत्तियां चाहिए, ला सकोगे?' वे तीनों मन ही मन बहुत प्रसन्न हुए क्योंकि उन्हें लगा कि वे बड़ी आसानी से अपने गुरु जी की इच्छा पूरी कर सकेंगे |सूखी पत्तियाँ तो जंगल में सर्वत्र बिखरी ही रहती हैं| वे उत्साहपूर्वक एक ही स्वर में बोले-'जी गुरु जी, जैसी आपकी आज्ञा |'

अब वे तीनों शिष्य चलते-चलते एक समीपस्थ जंगल में पहुँच चुके थे |लेकिन यह देखकर कि वहाँ पर तो सूखी पत्तियाँ केवल एक मुट्ठी भर ही थीं ,उनके आश्चर्य का ठिकाना न रहा | वे सोच में पड़ गये कि आखिर जंगल से कौन सूखी पत्तियां उठा कर ले गया होगा? इतने में ही उन्हें दूर से आता हुआ कोई किसान दिखाई दिया |वे उसके पास पहुँच कर, उससे विनम्रतापूर्वक याचना करने लगे कि वह उन्हें केवल एक थैला भर सूखी पत्तियां दे दे |

अब उस किसान ने उनसे क्षमायाचना करते हुए, उन्हें यह बताया कि वह उनकी मदद नहीं कर सकता क्योंकि उसने सूखी पत्तियों का ईंधन के रूप में पहले ही उपयोग कर लिया था | अब, वे तीनों, पास में ही बसे एक गाँव की ओर इस आशा से बढ़ने लगे थे कि हो सकता है वहाँ उस गाँव में उनकी कोई सहायता कर सके |

वहाँ पहुँच कर उन्होंने जब एक व्यापारी को देखा तो बड़ी उम्मीद से उससे एक थैला भर सूखी पत्तियां देने के लिए प्रार्थना करने लगे लेकिन उन्हें फिर से एकबार निराशा ही हाथ आई क्योंकि उस व्यापारी ने तो, पहले ही, कुछ पैसे कमाने के लिए सूखी पत्तियों के दोने बनाकर बेच दिए थे लेकिन उस व्यापारी ने उदारता दिखाते हुए उन्हें एक बूढी माँ का पता बताया जो सूखी पत्तियां एकत्रित किया करती थी| पर भाग्य ने यहाँ पर भी उनका साथ नहीं दिया क्योंकि वह बूढी माँ तो उन पत्तियों को अलग-अलग करके कई प्रकार की ओषधियाँ बनाया करती थी |अब निराश होकर वे तीनों खाली हाथ ही गुरुकुल लौट गये |गुरु जी ने उन्हें देखते ही स्नेहपूर्वक पूछा- 'पुत्रो,ले आये गुरुदक्षिणा ?'तीनों ने सर झुका लिया |गुरू जी द्वारा दोबारा पूछे जाने पर उनमें से एक शिष्य कहने लगा- 'गुरुदेव,हम आपकी इच्छा पूरी नहीं कर पाये |हमने सोचा था कि सूखी पत्तियां तो जंगल में सर्वत्र बिखरी ही रहती होंगी लेकिन बड़े ही आश्चर्य की बात है कि लोग उनका भी कितनी तरह से उपयोग करते हैं 'गुरु जी फिर पहले ही की तरह मुस्कराते हुए प्रेमपूर्वक बोले- 'निराश क्यों होते हो ?प्रसन्न हो जाओ और यही ज्ञान कि सूखी पत्तियां भी व्यर्थ नहीं हुआ करतीं बल्कि उनके भी अनेक उपयोग हुआ करते हैं; मुझे गुरुदक्षिणा के रूप में दे दो |'तीनों शिष्य गुरु जी को प्रणाम करके खुशी-खुशी अपने-अपने घर की ओर चले गये |

वह शिष्य जो गुरु जी की कहानी एकाग्रचित्त हो कर सुन रहा था,अचानक बड़े उत्साह से बोला-'गुरु जी,अब मुझे अच्छी तरह से ज्ञात हो गया है कि आप क्या कहना चाहते हैं |आप का संकेत, वस्तुतः इसी ओर है न कि जब सर्वत्र सुलभ सूखी पत्तियां भी निरर्थक या बेकार नहीं होती हैं तो फिर हम कैसे, किसी भी वस्तु या व्यक्ति को छोटा और महत्त्वहीन मान कर उसका तिरस्कार कर सकते हैं? चींटी से लेकर हाथी तक और सुई से लेकर तलवार तक-सभी का अपना-अपना महत्त्व होता है |

गुरु जी भी तुरंत ही बोले-'हाँ, पुत्र,मेरे कहने का भी यही तात्पर्य है कि हम जब भी किसी से मिलें तो उसे यथायोग्य मान देने का भरसक प्रयास करें ताकि आपस में स्नेह, सद्भावना,सहानुभूति एवं सहिष्णुता का विस्तार होता रहे और हमारा जीवन संघर्ष के बजाय उत्सव बन सके |

दूसरे,यदि जीवन को एक खेल ही माना जाए तो बेहतर यही होगा कि हम निर्विक्षेप,स्वस्थ एवं शांत प्रतियोगिता में ही भाग लें और अपने निष्पादन तथा निर्माण को ऊंचाई के शिखर पर ले जाने का अथक प्रयास करें |'अब शिष्य पूरी तरह से संतुष्ट था |

अंततः,यदि हम मन, वचन और कर्म- इन तीनों ही स्तरों पर इस कहानी का मूल्यांकन करें, तो भी यह कहानी खरी ही उतरेगी |सब के प्रति पूर्वाग्रह से मुक्त मन वाला व्यक्ति अपने वचनों से कभी भी किसी को आहत करने का दुःसाहस नहीं करता और उसकी यही ऊर्जा उसके पुरुषार्थ के मार्ग की समस्त बाधाओं को हर लेती है |वस्तुतः,हमारे जीवन का सबसे बड़ा 'उत्सव' पुरुषार्थ ही होता है-ऐसा विद्वानों का मत है |

(Source : achhikhabar.com)

MOHIT PANDEY
CSE II YEAR

POSTERS DESIGNED BY STUDENTS

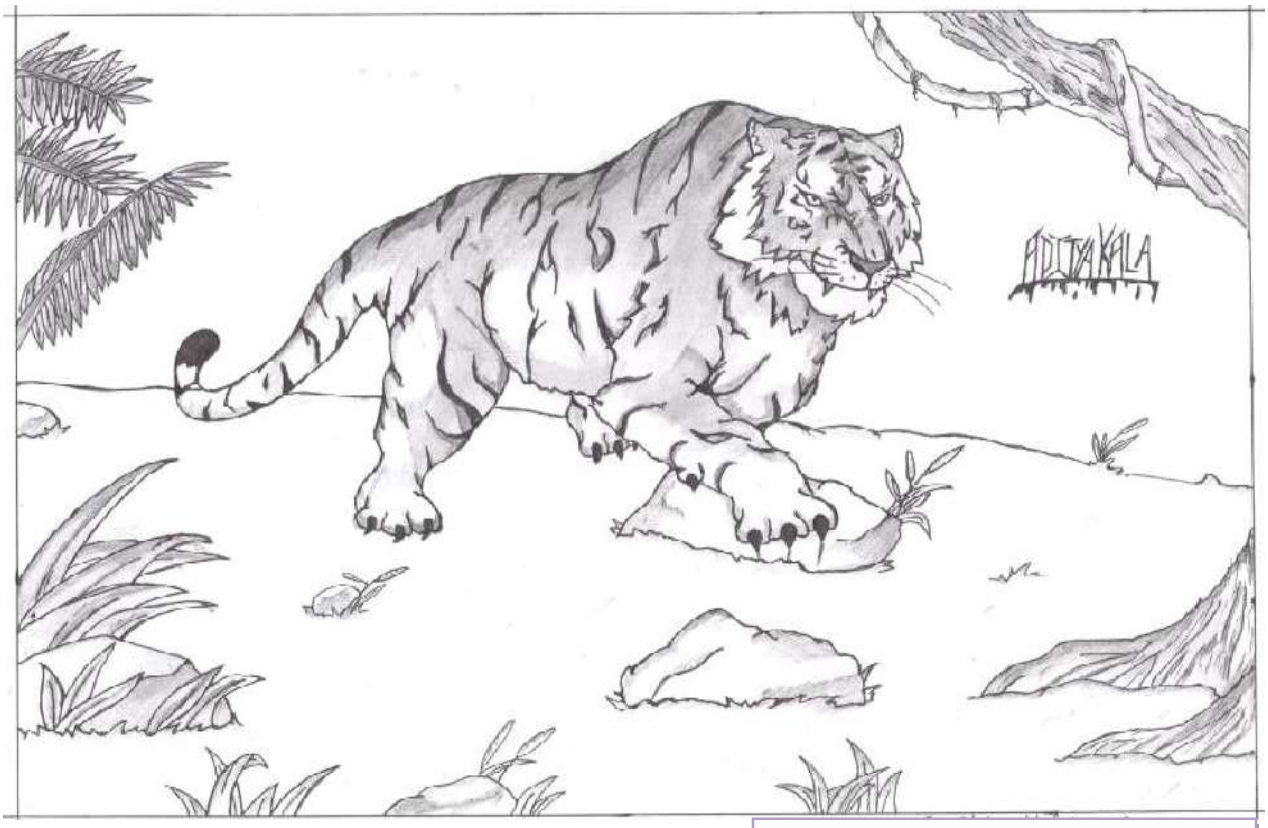

Aditya Kala CSE II Year

Saurabh Rawat ELEX II Year

POSTERS DESIGNED BY STUDENTS

Anisha Kotnala ELEX III Year

Sagufta Parveen CSE III Year

POSTERS DESIGNED BY STUDENTS

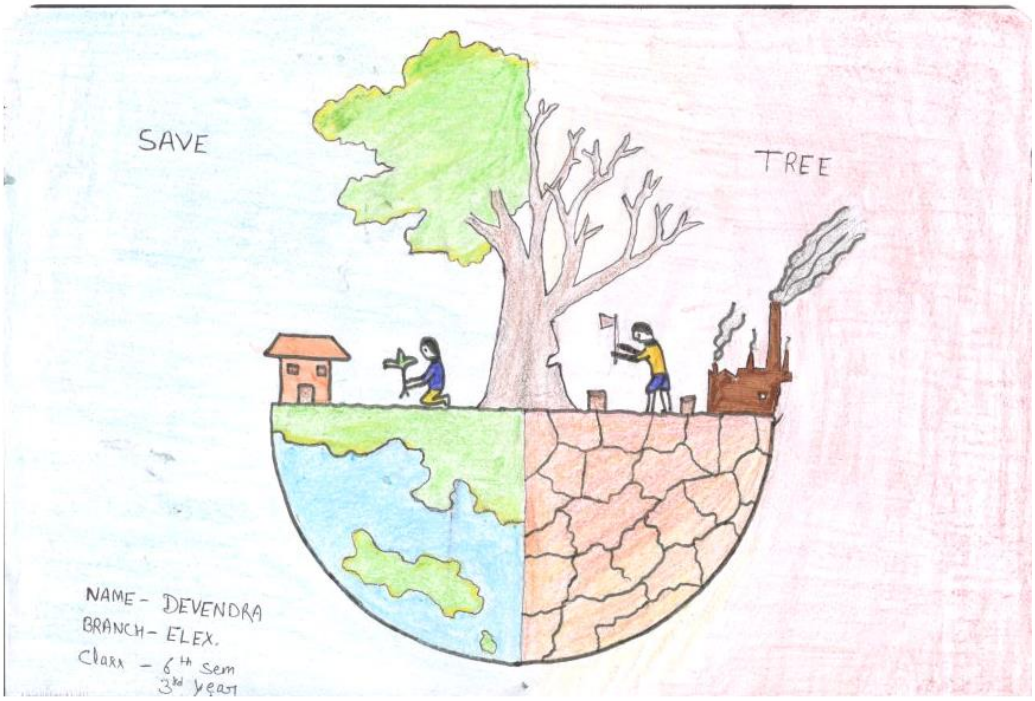

Devendra ELEX III Year

Sonam Pal ELEX I Year

POSTERS DESIGNED BY STUDENTS

Aniket ELEX I Year

Mind, Money, and Heart (Self Composed)

I noticed something that makes me amazed about the psychology of the majority of humans in this world. The topic of this article is 'Mind, Money, and Heart'. What is the first thing that came into your mind after watching this? Mind is somehow the actions of humans, money is the resource for survival in this world which is based on what is called Survival of the best, and heart is what always pushes us to do the things we love.

You know, there is a dominance of any two from these three in each human in this world. It can be mind-money, money-heart, or heart-money. Almost every human is living with any of these three factors. Mind-money is the one that is adopted by a majority of humans. Since it is the worst thing that exists on this planet, I don't know why humans are claiming to be happy and fulfilled. I can see, they are happily trapped in this thing, they are promoting this to new ones too.

People are suffering in their life, running to be first in all, but are they still satisfied. Neither of one who is at the top nor the one who is at the bottom is satisfied. The complexion is another term I wish to use here in this society. There is a relation between heart and money. These two are inversely proportional to each other. When you are dominated by heart. You're free from the craving for money, but when you're dominated by money, we will never listen to your heart what is right or wrong. Since money is the ultimate source of happiness for us, this is how we are happily trapped in our psychology.

Listening to your heart, doing what we love, doing what we want to do, should be the ultimate goal of each person. Money must be used as the source for survival, not to create a status symbol. The more you will do the things you don't love but do just for fulfilling your materialistic dream, the more you will be unhappy and unsatisfied. Doing the things you love is the best thing of all. Once we recognize the real need of our life, what gave us the real internal happiness and satisfaction, that time we have reached our ultimate goal of life.

SHIVAM SHARMA
CSE FINAL YEAR

VISHWAKARMA PUJA

Vishwakarma Puja which is also known as Vishwakarma Jayanti is celebrated by the Hindu community as a prominent festival. Lord Vishwakarma, the divine architect or God's architect, is worshipped on this day.On the last day of Bhadra, known as Kanya Sankranti or Bhadra Sankranti, the festival takes place.

Vishwakarma Puja: History

According to Hindu religious belief, Lord Vishwakarma, the world's creator, built Dwarka, where Lord Krishna ruled. Sthapatya Veda, the science of architecture and mechanics, is also credited to him. Lord Vishwakarma, the son of Vastu Dev and Goddess Angisri, is also believed to have built Ravana's Pushpak Vimana, Lord Shiva's Trishul, Indra's Vajra (thunderbolt), the Pandavas' Maya Sabha, and Lord Vishnu's Sudarshana Chakra, according to legends.He is also credited for building the famous Jagannath temple in Puri.

Vishwakarma Puja 2021: Significance

Shops, factories, and industries are the main observers of the festival. On this day, factory and industrial workers pray to Lord Vishwakarma for the safety of their livelihoods and worship their tools. On the day of Vishwakarma Puja, they pray for the flawless operation of equipment and refrain from using their tools. Pictures and special statues of Lord Vishwakarma are put at factories and workplaces on this occasion. The day is primarily observed in states such as West Bengal, Assam, Odisha, Tripura, Bihar, and Jharkhand in the eastern region of the country. Nepal, India's neighbour, also observes Vishwakarma Puja.

ANMOL NEGI
CSE II YEAR

शिक्षा का महत्व

बहुत जरूरी होती शिक्षा,
सारे अवगुण धोती शिक्षा।
चाहे जितना पढ़ ले हम पर, कभी न पूरी होती शिक्षा।
शिक्षा पा कर ही बनते है, नेता, अफसर, शिक्षक।
वैज्ञानिक, मंत्री, व्यापारी, और साधारण रक्षक।।
कर्तव्यों का बोध कराती, अधिकारों का ज्ञान।
शिक्षा से ही मिल सकता है, सर्वोपरिसम्मान।।
बुद्धिहीन को बुद्धि देती, अज्ञानी को ज्ञान।
शिक्षा से ही बन सकता है, भारत देश महान।।

Author – डॉ० परशुरामशुक्ल

Sakshi Negi
CSE Second year

बढ़े चलो

फूल बिछे हों या कांटे हों,
राह न अपनी छोड़ो तुम।
चाहे जो विपदायें आयें,
मुख को जरा न मोड़ो तुम।
साथ रहें या रहें न साथी,
हिम्मत मगर न छोड़ो तुम।
नहीं कृपा की भिक्छा मांगो,
कर न दीन बन जोड़ो तुम।
बस ईश्वर पर रखो भरोसा,
पाठ प्रेम का पढ़े चलो।
जब तक जान बनी हो तन में,
तब तकआगे बढ़े चलो। (श्रीनाथसिंह)

Rohan Kumar
(Electronics 3rd year)

SOCIAL MEDIA IS KILLING BOOK READING HABIT!

With the growing influence and liking towards social media, it will surely become difficult to fill the room with books. A survey in UK showed that with the increasing age, the tendency to read a book decreases; the effect profoundly seen when comparison was made between three age groups - six to eight, 12-14 and 15-17 year old. There have been frowns from parents and many quarters of society towards the teen indulgence in FB, internet and other social media websites. They are not happy with the neglect of reading books. Thus it's worthwhile to discuss on the thought that whether social media is killing the practice of reading books?

Yes they are affecting –

1. Social media is unproductive use of time as it only entertains you and gives no food for thought.
2. The amount of education you get from it is very less compared to reading books.
3. It hampers creativity as much of the time is spent on forwarding things to others.
4. Most of the time is spent in searching what others are doing, which can be well spent in reading which atleast adds knowledge to your own life.

5. Another prominent example can be the usage of 'new' abbreviations to express oneself on the social media. This hampers the language development which in turn affects writing and reading both.
6. Good reading habit makes way for a better understanding of one's experiences however social media mostly indulges the cravings of people rather than what is good for them.
7. The role models who the teens follow too are more active on the social media. Teens try to emulate them.

No, they do not affect –

1. Times change and with it, habits. Even if people are moving away from reading, one can always devise better ways to indulge them in reading. One cannot blame everything on change in culture and social media.
2. Teens are just trying to find themselves and prioritize socialization over reading something alone.
3. They are getting connected instead of being alone.
4. With increasing age there is bound to be changes in tendency as teenagers feel the need to establish one's presence in society, find one's position and hence use all the methods available to socialize; an important one being the social media.
5. They are learning to find themselves with the social media. This is in no way affecting reading.
6. Socialization is their current priority, but this does not mean that social media is affecting reading books.
7. There is lack of literature which can suit contemporary needs and thoughts. The classics might be good but do not necessarily suit everyone.

It is well known that books can be a stimulating agent for building oneself. In this fast changing world, there are going to be lots of distractions. We must innovate to make book-reading relevant again. Encouraging book-reading through social media, incorporating reading in social media, eBooks, developing relevant and quality literature, role models with whom the teens can connect, etc. can be a few starting steps. Instead of blaming we need to work constructively so as to not deny ourselves the benefits of social media.

(Source: careerride.com)

Siya Gaur

Electronic 3rd Year

LIFE

"Life is an opportunity, benefit from it.
Life is a beauty, admire it.
Life is bliss, taste it.
Life is a dream, realize it.
life is a challenge, meet it.
life is a duty, complete it.
life is a game, play it.
life is costly, care for it.
life is wealth, keep it.
life is love, enjoy it.
life is mystery, know it.
life is a promise, fulfill it.
Life is a sorrow, overcome it.
Life is a song, sing it.
Life is a struggle, accept it.
Life is a tragedy, confront it.
Life is an adventure, dare it.
Life is luck, make it.
Life is too precious, do not destroy it.
Life is Life, fight for it!."

(Mother Teresa)

Anuj Dhiman
ELEX First Year

WORK HARD

When I asked God for strength
He gave me difficult situations to face
When I asked God for brain & brawn
He gave me puzzles in life to solve
When I asked God for happiness
He showed me some unhappy people
When I asked God for wealth
He showed me how to work hard
When I asked God for favours
He showed me opportunities to work hard
When I asked God for peace
He showed me how to help others
God gave me nothing I wanted
He gave me everything I needed.

(Swami Vivekananda)

Rohan Gusain
CSE First Year

PAPER BOATS

Day by day I float my paper boats one by one down the running stream.
In big black letters I write my name on them and the name of
the village where I live.
I hope that someone in some strange land will find them and
know who I am.
I load my little boats with shiuli flowers from our garden, and hope that these blooms of the dawn will be carried safely to land in the night.
I launch my paper boats and look up into the sky and see the little clouds setting their white bulging sails.
I know not what playmate of mine in the sky sends them down the air to race with my boats!
When night comes I bury my face in my arms and dream that my paper boats float on and on under the midnight stars.
The fairies of sleep are sailing in them, and the lading is their baskets full of dreams.
(Rabindranath Tagore)

Naresh
Electronics 3rd year

TO INDIA

O YOUNG through all thy immemorial years!
Rise, Mother, rise, regenerate from thy gloom, And, like a bride high-mated with the spheres, Beget new glories from thine ageless womb!
The nations that in fettered darkness weep
Crave thee to lead them where great mornings break . . . .
Mother, O Mother, wherefore dost thou sleep?
Arise and answer for thy children's sake!
Thy Future calls thee with a manifold sound
To crescent honours, splendours, victories vast; Waken, O slumbering Mother and be crowned, Who once wert empress of the sovereign Past. **(Sarojini Naidu)**

Nitesh Kukreti
Electronics 3rd year

A WOMEN'S BEAUTY

The beauty of a woman
Is not determined by a man
Her beauty can be found in her grace
Not just the beauty of her face
It can be found in her style
It can also be found in her smile
Her beauty is in her thoughts
Not just what she has been taught
It can also be found in her soul
It cannot go untold
Her beauty is within her
She does not need to lure
Anyone, because her presence
It is her whole essence
A woman's beauty is in her heart
Her beauty is her art - Ms. JStar

Rishita Bisht
CSE Second Year

DISCIPLINE

Discipline should be
The Soul of life
It should always be
The main aim of life
Without it, life becomes
Without direction and rough,
And every work seems
Meaningless and tough
In darkness of life
Discipline is the light.
Making out future
Rich and Bright
With this discipline
We should do every act.
Thus, from all we should gain.
Love and respect
" A single step for a man
A giant leap for mankind"
It gives life true beauty
And make it our duty.
(source: Uttaranjali Magazine)

Yalok Kumar
Electronics 3rd Year

KING MIDAS AND HIS GOLDEN TOUCH

Once upon a time there was a king called Midas. He was extremely fond of gold. Although he had a lot of it, he wanted more. He thought if he had the golden touch, he would be the happiest man in the world. Then and there the wish god granted his wish. One day while he was sitting in the garden, an apple fell from the tree, lie touched it and instantly the apple turned-into gold. He became so glad and went to the palace. He embraced his daughter in joy but instant the girl turned into gold. Whatever he touched turned into gold. The King hated his golden touch so much that he sprinkled even the chairs and the tables and everything else that the fairy's gift had turned to gold.
Then he again prayed to the wish god to take away the golden touch. Kind wish god granted the king's prayer and lifted from him

the golden touch. King Midas took the princess again into his lap. She became normal. Then Midas gave up his greed. He realize always think very deeply before making choices, each choice you make has its own consequence so, make wise choices.
Moral: You should not be greedy and appreciate what you already have, no matter how large or small. **(source :Internet)**

Rishabh Khetwal
CSE Final Year

MIDDLE OF HAPPINESS

The Ego Said: 'I don't want to live on the fringes of Happiness,
Of a Happiness that's fleeting. I want to live right in the middle of it,
Right in the middle of Happiness that Stays.
The Soul replied: 'Then plant a Seed of Love in your Heart,
Love for yourself, Love for another, Love for everyone. And water it every day, with devotion, And you will soon find yourself, Right in the Middle of Happiness that stays.'
(Author:Richa Rana)

Sonam Pal
Electronics First year

बेटी

कन्यादान हुआ जब पूरा,आया समय विदाई का ।
हँसी ख़ुशी सब काम हुआ था,सारी रस्म अदाई का।
बेटी के उस कातर स्वर ने,बाबुल को झकझोर दिया।
पूछ रही थी पापा तुमने,क्या सचमुच में छोड़ दिया ।
अपने आँगन की फुलवारी,मुझको सदा कहा ।
मेरे रोने को पल भर भी ,बिल्कुल नहीं सहा तुमने
क्या इस आँगन के कोने में, मेरा कुछ स्थान नहीं ।
अब मेरे रोने का पापा,तुमको बिल्कुल ध्यान नहीं ।
देखो अन्तिम बार देहरी,लोग मुझे पुजवाते हैं ।
आकर के पापा क्यों इनको,आप नहीं धमकाते हैं।
नहीं रोकते चाचा ताऊ,भैया से भी आस नहीं।
ऐसी भी क्या निष्ठुरता है,कोई आता पास नहीं।
बेटी की बातों को सुन के ,पिता नहीं रह सका खड़ा।
उमड़ पड़े आँखों से आँसू,बदहवास सा दौड़ पड़ा ।
कातर बछिया सी वह बेटी,लिपट पिता से रोती थी ।
जैसे यादों के अक्षर वह,अश्रु बिंदु से धोती थी ।
माँ को लगा गोद से कोई,मानो सब कुछ छीन चला।
फूल सभी घर की फुलवारी से कोई ज्यों बीन चला।
छोटा भाई भी कोने में,बैठा बैठा सुबक रहा ।
उसको कौन करेगा चुप अब,वह कोने में दुबक रहा।
बेटी के जाने पर घर ने,जाने क्या क्या खोया है।
कभी न रोने वाला बापू,फूट फूट कर रोया है।

(source :internet) **Pinky Rani**
Electronics 3rd year

जिंदगी की सांसे

जब तक चलेगी जिंदगी की सांसे,
कहीं प्यार कहीं टकराव मिलेगा ।
कहीं बनेंगे संबंध अंतर्मन से तो,
कहीं आत्मीयता का अभाव मिलेगा
कहीं मिलेगी जिंदगी में प्रशंसा तो,
कहीं नाराजगियों का बहाव मिलेगा
कहीं मिलेगी सच्चे मन से दुआ तो,
कहीं भावनाओं में दुर्भाव मिलेगा ।
कहीं बनेंगे पराए रिश्तें भी अपने तो
कहीं अपनों से ही खिंचाव मिलेगा ।
कहीं होगी खुशामदें चेहरे पर तो,
कहीं पीठ पे बुराई का घाव मिलेगा।
तुम चले चलो राही अपने पथ पर,
जैसा भाव वैसा प्रभाव मिलेगा !
रखो स्वभाव में शुद्धता का स्पर्श तुम
अवश्य जिंदगी का पड़ाव मिलेगा !!!
source :internet)

Abhishek Devrani
Electronics 3rd year

समय बड़ा बलवान

टिक ना सका इसके आगे, बड़े से बड़ा धनवानसमय
बीत जाने पर, तुम बहुत पछताओगे
इतना अच्छा समय भला, तुम दोबारा कब पाओगे
समय बीत जाने पर इंसान बहुत पछताता है
व्यर्थ बिताया गया समय, भला कौन कहाँ कब पाता है
जो नहीं पहचानते हैं समय का मोल
कर नहीं पाते कोई भी अच्छा काम
नहीं कर पाते वो जग में ऊँचा अपना नाम
अगर जीवन में कुछ करना है
सबसे आगे बढ़ना है तो, समय के महत्व को पहचानो
और बढ़ाओ और अपना मान.
(source :Internet)

Pradeep Kumar
CSE Final Year

सपनों में उड़ान भरो

सपनों में उड़ान भरो" कुछ काम करो,
न मन को निराश करो
पंख होंगे मजबूत,
तुम सपनों में साहस भरो,
गिरोगे लेकिन फिर से उड़ान भरो,
सपनों में उड़ान भरो। तलाश करो मंजिल की,
ना व्यर्थ जीवनदान करो,
जग में रहकर कुछ नाम करो,
अभी शुरुआत करो,
सुयोग बीत न जाए कहीं,
सपनों में उड़ान भरो। समझो खुद को,
लक्ष्य का ध्यान करो,
यूं ना बैठकर बीच राह में,
मंजिल का इंतजार करो,
संभालो खुद को यूं ना विश्राम करो,
सपनों में उड़ान भरो। उठो चलो आगे बढ़ो,
मन की आवाज सुनो,
खुद के सपने साकार करो,
अपना भी कुछ नाम करो,
इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करो,
सपनों में उड़ान भरो। बहक जाएं गर कदम,
तो गुरु का ध्यान करो,
तुम पा ना सको ऐसी कोई मंजिल नहीं,
हार जीत का मत ख्याल करो,
अडिग रहकर लक्ष्य का रसपान करो,
सपनों में उड़ान भरो। **(Source: Internet)**

Sakshi
Electronics 3rd year

पॉजिटिविटी की आदत बना ले

जीवन की मुश्किलों ने हमें यह मान कहने पर मजबूर कर दिया है कि पॉजिटिव सोच संभव ही नहीं है। जबकि सच यह है कि पॉजिटिव रहने की आदत हो तो मुश्किलों में भी खुश रहा जा सकता है हर पल खुश रहने वालों को देख कर मन में यह सवाल जरूर खलबली मच आता है कि आखिर इनकी खुशी का राज क्या है यह जानना वाकई दिलचस्प है कि इसके पीछे कोई रॉकेट साइंस नहीं है बल्कि सकारात्मक रवैया है जो हमेशा खुश रहने में मददगार है तो क्यों ना पॉजिटिविटी को अपनी आदत बना ले और खुशी को अपना हमसफर।

Vanshika Chauhan
CSE II Year

जल ही जीवन है

जल ही जीवन है
जल से हुआ सृष्टि का उद्भव जल ही प्रलय घन है
जल पीकर जीते सब प्राणी जल ही जीवन है।।
शीत स्पर्शी शुचि सुख सर्वस
गन्ध रहित युत शब्द रूप रस
निराकार जल ठोस गैस द्रव
त्रिगुणात्मक है सत्व रज तमस
सुखद स्पर्श सुस्वाद मधुर ध्वनि दिव्य सुदर्शन है ।
जल पीकर जीते सब प्राणी जल ही जीवन है ।।
भूतल में जल सागर गहरा
पर्वत पर हिम बनकर ठहरा
बन कर मेघ वायु मण्डल में
घूम घूम कर देता पहरा
पानी बिन सब सून जगत में ,यह अनुपम धन है ।
जल पीकर जीते सब प्राणी जल ही जीवन है ।।
नदी नहर नल झील सरोवर
वापी कूप कुण्ड नद निर्झर
सर्वोत्तम सौन्दर्य प्रकृति का
कल-कल ध्वनि संगीत मनोहर
जल से अन्न पत्र फल पुष्पित सुन्दर उपवन है ।
जल पीकर जीते सब प्राणी जल ही जीवन है ।
बादल अमृत-सा जल लाता
अपने घर आँगन बरसाता
करते नहीं संग्रहण उसका
तब बह बहकर प्रलय मचाता
त्राहि-त्राहि करता फिरता, कितना मूरख मन है ।
जल पीकर जीते सब प्राणी जल ही जीवन है ।

Saurav Rana
CSE First Year

ख़ुद पर हो विश्वास अगर

बस तू ही है इस दुनिया में
बस तू ही है इस दुनिया में
तुझ सा है कोई और कहाँ
ग़र हो न भरोसा बात में तो,
तो तू भी यहाँ और मैं भी यहाँ
तेरे हुंकार में वो दम है
सारी दुनिया भी थम जाए..
ख़ुद पर हो विश्वास अगर
एक पल क्या..वक्त बदल जाए
जीवन में सजे हैं कुछ सपनें
हर हाल में पूरे करने हैं
सूरज के नीचे हैं मोती
वो रखने हैं तो रखने हैं
घेरा हो हज़ारों मुश्किल का
मेहनत के आगे झुकने हैं
सूरज पर छाये बादल भी
एक न एक दिन तो छटनें है
क्या हुआ नही या हो न सका
ऐसा कुछ ढूढ़ के तो लाए..
ख़ुद पर हो विश्वास अगर,
एक पल क्या..वक्त बदल जाए..
सबकुछ तो करना आसां है
रोके क्यों कोई आज भला..
झोंके में छिपा है एक तूफां
वैसे ही हम में जोश भरा
हो वक्त का पहरा मुझ पर क्यों
हम वक्त से आगे रहते हैं
धरती पर यूँ तो चलते हैं
पर आसमान में रहते हैं..
कहते हैं सबकुछ किस्मत है
तू ख़ुद ही फ़रिश्ता बन जाए..
ख़ुद पर हो विश्वास अगर,
एक पल क्या..वक्त बदल जाए...
बस तू ही है इस दुनिया में
तुझ सा है कोई और कहाँ
ग़र हो न भरोसा बात में तो,
तो तू भी यहाँ और मैं भी यहाँ

(Kavi Sandeep Dwivedi)
Suman
CSE Second year

एक कविता उत्तराखंड वासियों के नाम

हम उस माटी के बने हैं।
जहां देवता रहते हैं।
इसलिए हमारी मातृभूमि को
देवभूमि भी कहते हैं
गंगा यमुना बहती जिसमें
ऊंचा जिसका हिमालय हो।
नमन है ऐसी मातृभूमि को
जहां केदार सा शिवालय हो
जहां ढोल दमाऊ और हुड़का
आज भी बजाए जाते हैं।
जहां तीलू रौतेली और
मालूशाही के गीत आज भी गाए जाते हैं।
जहां पर्वत की चोटी पर
आ आज भी देवता बिठाए जाते हैं।
जहां भट्ट की चुड़कानी
दाल गोहद कि बड़े चाव से खाते हैं।
अल्मोड़ा के बाल सभी को
आज भी बहुत भातें हैं।
जहां घर घर में तुलसी गाय को
आज भी पूजा जाता है।
यही मेरा उत्तराखंड है।
जो हर दुनिया को भा जाता है।

Sumit Nagwal
Electronics First year

THOUGHTS FOR A FRIEND

A friend is a Sunny smile
A sweet and charming face.
A world full of of cherished memories,
That nothing can replace
A friend bring mirth to life
By being warm and dear
He is a special source of pleasure
With every added year
A friend is someone special
When he is yours to love
Your happiness never ends
Friendship is like a flower,
That Bloom in Sun or shade
A friend who knows its value
Will never let it fade.

AKSHAY RAWAT
ELECTRONICS I YEAR

हिंदी पहेलियाँ

1. ऐसा कौनसा फल है, जिसके पेट में दांत होते हैं ?
   उत्तर – अनार

2. दो अक्षर का मेरा नाम,सर को ढकना मेरा काम, मैं कौन हूँ?
   उत्तर –टोपी

3. मैं सबके पास हूँ कोई मुझे खो नहीं सकता है और मार भी नहीं सकता है बताओ मैं कौन हूँ?
   उत्तर – परछाई

4. पास में उड़ता-उड़ता आए,
   क्षण भर देखूँ, फिर छिप जाए |
   बिना आग के जलता जाए,
   सबके मन को वह लुभाए |
   उत्तर – जुगनू

5. आदि कटे तो गीत सुनाऊँ,
   मध्य कटे तो संत बन जाऊँ |
   अंत कटे साथ बन जाता,
   संपूर्ण सबके मन भाता |
   उत्तर – संगीत

(Source- Internet)

Khushboo Rawat
CSE II Year

हौंसले

जिस-जिस पर ये जग हँसा है,
उसी ने इतिहास रचा है।
नसीब जिनके ऊँचे और मस्त होते है,
इम्तिहान भी उनके जबरदस्त होते है।
संघर्ष में आदमी अकेला होता है,
सफलता में दुनिया उसके साथ होती है।
कायरता जिस चेहरे का श्रृंगार करती है
मक्खी भी उस पर बैठने से इंकार करती है।
नजर लक्ष्य पर थी, गिरे और संभलते रहे,
हवाओं ने पूरा ज़ोर लगा दिया, फ़िर भी चिराग़ जलते रहे।
हौंसले जिनके अकेले चलने के होते हैं,
एक दिन उनके पीछे ही काफ़िले होते हैं।
(source: internet)

Shivanshu Pokhriyal
CSE First Year

गुरुजन

अज्ञानता को मिटाया,
ज्ञान रूपी भारत हमें पढ़ाया है
जीवन के संघर्षों का सामना करना,
और सफलता का सही मार्ग
हमें आप ने दिखाया है
अहंकार क्रोध और घृणा से दूर
सभी को आदर स्नेहा और
मीठे बोल बोलना बताया है
शिक्षा को बोझ ना समझ कर
दोस्त समझना आपने ही हमें सिखाया है
शत-शत नमन उन गुरुओं को
जिन्होंने पग-पग पर हमें उठाया है
बड़ी से बड़ी मुश्किलों से लड़ना सिखा कर
जीवन को इतना सुगम बनाया है ।

MUSKAN RAWAT
CSE I YEAR

COLLEGE LIFE

Many say the world is so small,
And it's true, I agree with all.
Now social media is the new trend,
And got a meet with mutual friend.
A friend is a piece of luck,
Who'll make you move on where you are stuck.
I bought a new top of the red shade,
the excitement in my mind never fade.
All got settled in my way,
And it's my college first day.
All were different and new,
And I spoke with just a few.
Starting days were so hard,
After the fourth month, I found my squad.
So many papers were used,
and I literally got confused.
After the semester I was free
and my friendship started growing like a tree.
Challenges are there in the path I take,
it all lies in the plan I make.
I studied even in my van,
myself I told I will and I can.
It's our time to break the chain,
to feel the happy rain.
Every one should wear mask,
being into new normal is our biggest task
Let's all join hands,
to celebrate the victory dance.

Priyanka Tomar
CSE First year

JOKES

दिल की बात दिल तक पहुंचाने में,
यह इंजीनियरिंग नहीं आसान,
इतना समझ लीजिए
6 सेमेस्टर की दरिया है,
और बैक से बचते हुए जाना है ।

टीचर: 1 साल में कितनी रात्रि होती है?
छात्र : 10 रात्रि
टीचर : कैसे?
छात्र: नवरात्रि और एक शिवरात्रि ।
टीचर: शाबाश नालायको

टीचर: तुमने होमवर्क क्यों नहीं किया?
पप्पू: मैं हॉस्टल मैं रहता हूं ।
टीचर: तो?
पप्पू: हॉस्टल में होमवर्क कैसे कर सकता हूं हॉस्टल वर्क देना चाहिए था ना।

पत्नी: अजी सुनते हो 2 किलो मटर ले लूं ।
पति: हां ले लो।
पत्नी: मैं राय नहीं मांग रही आपकी पूछ रही हूं की छील लोगे इतनी या कम लूं ।

इंजीनियरिंग का फॉर्म भरते हुए स्टूडेंट ने पास खड़े चौकीदार से पूछा
कैसा है यह कॉलेज?
चौकीदार: बहुत बढ़िया है हमने भी यही से इंजीनियरिंग की थी।

Source: hindi.news18.com

Sheetal Bisht
CSE II Year